Self Medication
&
Steroid Drops

For Public Awareness by
Rajasthan Ophthalmological Society

STEROID DROPS

डॉक्टर की सलाह या पर्ची के बिना स्वयं या केमिस्ट से दवाई लेना

"सेल्फ मेडिकेशन"

कहलाता है।

प्रायः देखा गया है कि छोटी-छोटी तकलीफ़ों में तुरंत आराम के लिए हम स्वयं ही कोई भी दवा या पेनकिलर्स ले लेते हैं.

कई बार काफ़ी समय तक इन दवाइयों को हम लेते रहते हैं और बिना इनके साइड इफेक्ट्स (Side Effects of Self Medication) जाने दूसरों को भी लेने की सलाह देते रहते हैं.

इन सबसे भविष्य में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

ख़ुद दवाइयां लेने के कारण

- समय की कमी
- केमिस्ट की सलाह को सही समझना.
- डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने की औपचारिकता से बचना या डॉक्टर का घर बहुत दूर होना.
- डॉक्टर की फीस अधिक होना.
- शुभचिंतकों, पड़ोसी या मित्रों की सलाह को सही मानना.
- घर में पड़ी दवाइयों को ही उपयोग में ले आने की प्रवृत्ति.

डॉक्टर की सलाह-मशवरा के बिना दवाइयां लेने से क्या हो सकता है?

– कुछ देर के लिए तुरंत आराम तो मिल जाएगा, पर शरीर में जटिलताएं बढ़ जाएंगी.

- दवाइयों के स्टोरेज के तरीके भी अलग-अलग होते हैं और उन्हें उसी रूप में रखकर उनका सेवन करना अपेक्षित परिणामों के लिए आवश्यक है.

– सभी केमिस्ट फार्मसिस्ट नहीं होते, अतः उनका ज्ञान अधूरा रहता है.

– यदि कभी डॉक्टर से पूछे बिना दवा खाने की मजबूरी हो, तब परिस्थिति अनुकूल होते ही डॉक्टर को तुरंत दिखाएं. डॉक्टर को बता दें कि आपने किस दवा का सेवन किया है.

- स्टीरोइड्स आंखों की बीमारियों में लक्षणों, इन्फ्लेमेशन व घाव को कम करने में काम आते हैं।
- ये ड्राप्स, टेबलेट्स या मलहम के रूप में आंखों में काम में आते हैं।
- स्टीरोइड्स ड्रॉप्स के सस्ती व तुरंत प्रभावकारी होने की वजह से ये सबसे ज्यादा स्वयं या केमिस्ट के द्वारा दी जाती हैं।
- बिना डॉक्टर की सलाह के लम्बे समय तक स्टीरॉइड्स दवा आंखों में डालने से काला पानी, मोतियाबिन्द, पर्दे में सूजन व घाव होने की संभावना रहती है।

स्टीरोइड्स दवाएं एवं काला पानी

- स्टीरोइड्स ड्रॉप्स आंख में दबाव (IOP) को बढ़ा देती हैं।
- काला पानी के मरीजों या जिनके रिश्तेदारों के काला पानी हो, उनमें दबाव बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है।
- शुरूआत में स्टीरोइड्स दवा के बंद करने पर दबाव वापस सामान्य हो जाता है।
- लम्बे समय तक स्टीरोइड्स दवा को डालने पर आंखों का पर्दा व रोशनी कमजोर हो जाती है।

काला पानी में आंखों का दबाव बढ़ना

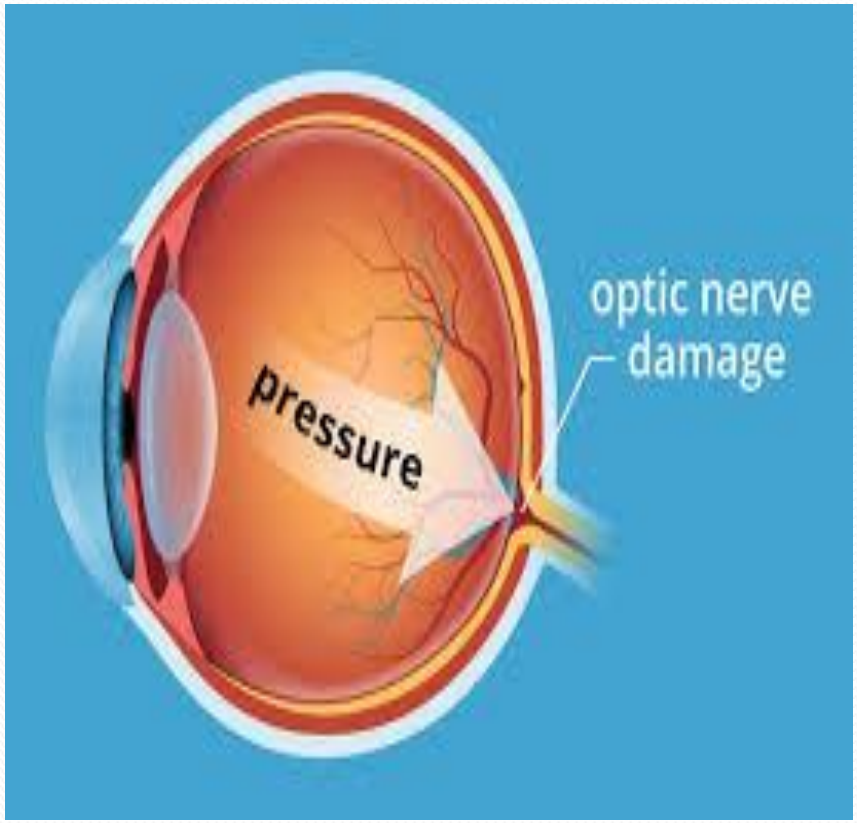

काला पानी में आंख का पर्दा कमजोर होना

- काला पानी की बीमारी में बिना किसी लक्षण के रोशनी कम होती जाती है।
- अतः काला पानी संभावित या काला पानी के रोगी, जो कि स्टीरॉइड दवा डाल रहे हैं, समय–समय पर आंखों के डॉक्टर से नेत्र परीक्षण करवाना चाहिए।

काला पानी में आंख की रोशनी कम होना

- स्टीरॉइड ड्राप्स व टेबलेट्स से मोतियाबिन्द के बनने की संभावना बढ़ जाती है।

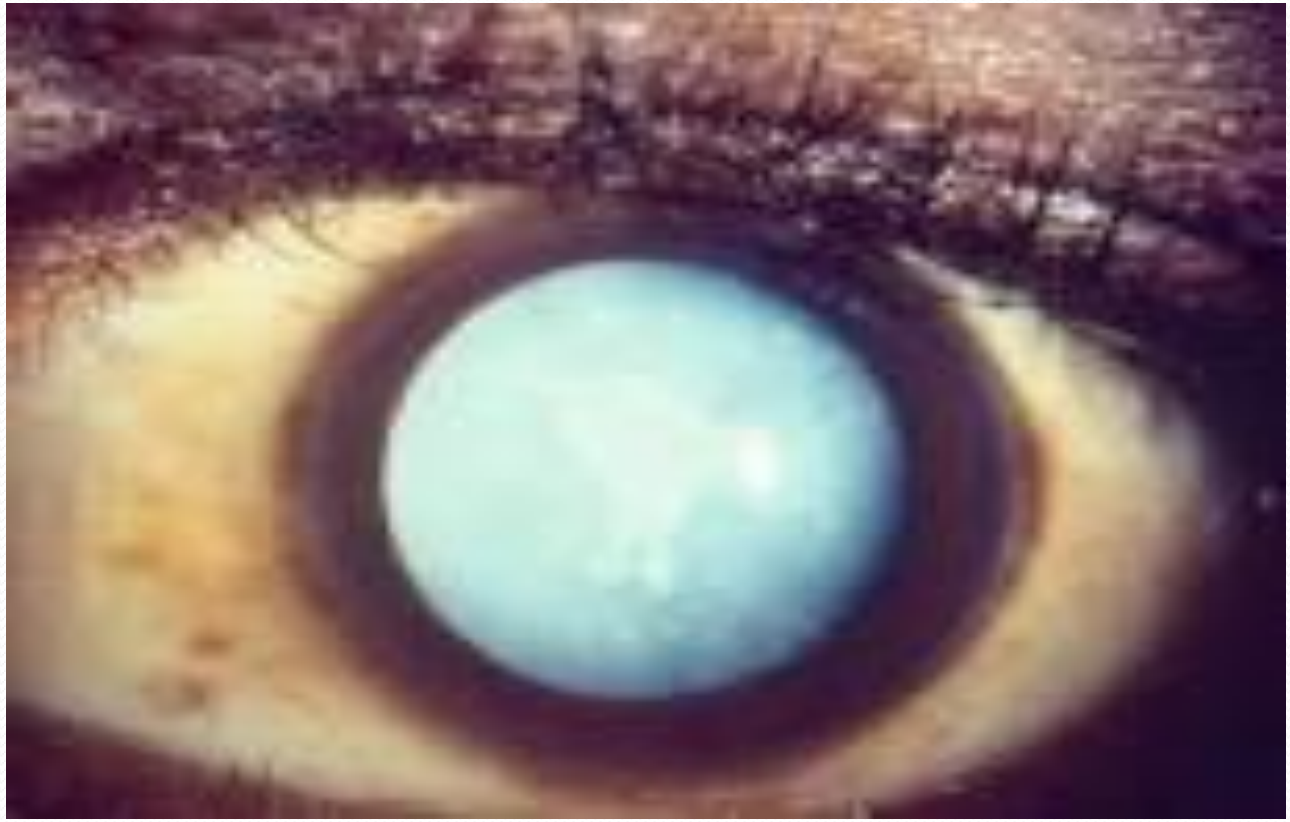

- आंख की पुतनी (कॉर्निया) में लम्बे समय तक स्टीरॉइड ड्राप्स डालने से घाव होने की संभावना बढ़ जाती है।
- स्टीरॉइड ड्रॉप्स वायरस फंगस और बेक्टिरियल इन्फेक्शन में आंखों में नहीं डालनी चाहिए।

स्टीरॉइड दवाओं से आंखों में घाव

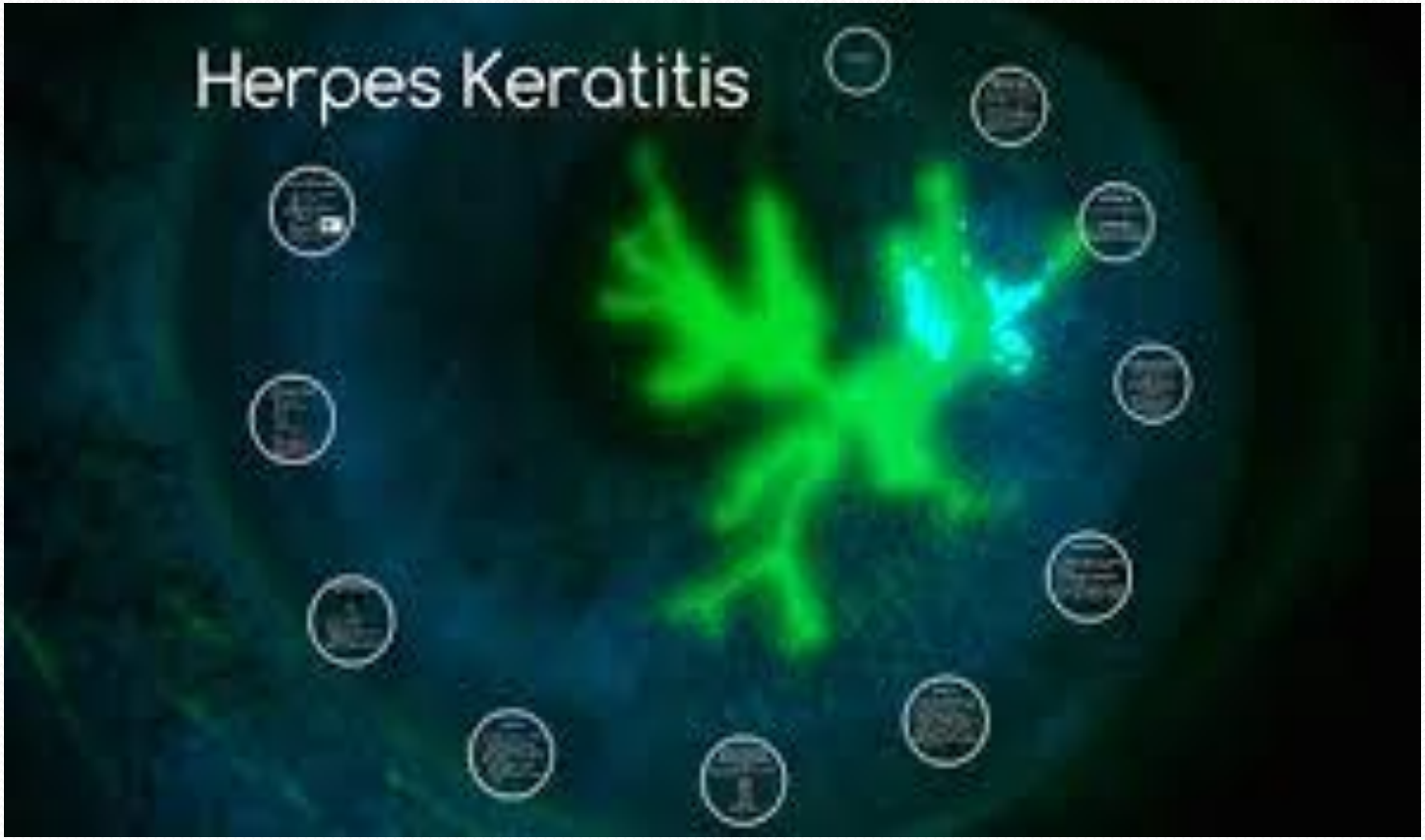

- कुछ संभावित मरीजों में लम्बे समय तक स्टीरॉइड दवा लेने से पर्दे में सूजन (CSCR) आ जाती है।

- सामान्य चिकित्सक भी लम्बे समय तक स्टीरोइड्स दवाईयों का उपयोग सावधानीपूर्वक करें।
- लम्बे समय तक आंखों में स्टीरोइड्स दवा डालने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।
- स्टीरोइड्स दवाईयां धीरे–धीरे कम करते हुए बंद करनी चाहिये अन्यथा बीमारी दोबारा उभर सकती है।

यहां हम यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि हमें सिर्फ स्वयं दवाई खा लेने की आदत पर नियंत्रण रखना है.

घर में दवाइयों की इमर्जेंसी किट अवश्य रखें, पर सभी दवाइयों की एक्सपायरी डेट जांच-परखकर यथासंभव डॉक्टर को दिखाकर या पूछकर ही दवाइयां लें.

आख़िर एक तंदुरुस्ती हज़ार नियामत है

STOP!

Self Medication

Self Medication is Dangerous